

किसके संरक्षण में दी जा रही हरियाली की बलि



राजस्थान यूनिवर्सिटी में चल रहा हरे पेड़ों को खत्म करने का खेल। कई पेड़ों की छाल उतारी। एक गेट भी निकाला। अंदर जाने पर पता चला के और भी कई पेड़ हैं जिनकी पिछले समय छाल उतारी गई थी और अब मात्र टूट ही बचे हैं। आखिर किसके संरक्षण में हो रहा है ये सब और यूनिवर्सिटी प्रशासन क्यों खामोश है? फोटो : दिनेश भारद्वाज

ड्रोन तकनीक का उपयोग माइनिंग सेक्टर के लिए लाभकारी : टी.रविकान्त



माइनिंग सेक्टर में वोल्यूमेट्रिक आकलन और खनिज प्रबंधन में ड्रोन तकनीकों के उपयोग पर बुधवार को संवाद किया गया। इससे पहले प्रमुख शासन सचिव माइन्स टी. रविकान्त, नोडल अधिकारी एमपी मीणा और सह प्रभारी संजय सक्सेना ने दीप प्रज्वलन कर संवाद कार्यक्रम शुरू किया।

जयपुर। माइनिंग सेक्टर में वोल्यूमेट्रिक आकलन और खनिज प्रबंधन में ड्रोन तकनीकों के उपयोग पर बुधवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राज्य सरकार, तकनीकी विशेषज्ञों और माइनिंग लीजधारकों के प्रतिनिधियों के बीच संवाद कार्यक्रम किया गया। प्रमुख शासन सचिव माइन्स टी. रविकान्त ने कहा कि तकनीक और नई व्यवस्था को आत्मसात करने में शुरूआत में ध्रान्तियां और जिज्ञासाएं होती हैं और उसी को समझने और दूर करने के लिए सरकार द्वारा यह साझा मंच उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि वोल्यूमेट्रिक आकलन और खनिज प्रबंधन में ड्रोन तकनीक का उपयोग सरकार और लीजधारक दोनों के लिए लाभकारी होने के साथ ही काम को आसान करने का माध्यम है। विचार विमर्श में आये सुझावों का गुणवत्तापूर्ण आधार पर अध्ययन कर एसओपी जारी की जाएगी।

टी. रविकान्त ने कहा कि शुरूआत में नई व्यवस्था में हमें खामियां या ध्रान्तियां ही दिखाई देती हैं जिनका आपसी विचार मंचन से निराकरण और समाधान संभव है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में माइनिंग सेक्टर में व्यवस्था के सरलीकरण और प्रक्रियाओं को आसान करने का सिलसिला लगातार जारी है। देखा जाए तो यह एक तरह से नेशन बिल्डिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर में हमें और सुधार व सरलीकरण देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में माइनिंग सेक्टर में व्यवस्था के सरलीकरण और प्रक्रियाओं को आसान करने का सिलसिला लगातार जारी है। देखा जाए तो यह एक तरह से नेशन बिल्डिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर में हमें और सुधार व सरलीकरण देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में माइनिंग सेक्टर में व्यवस्था के सरलीकरण और प्रक्रियाओं को आसान करने का सिलसिला लगातार जारी है। देखा जाए तो यह एक तरह से नेशन बिल्डिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर में हमें और सुधार व सरलीकरण देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में माइनिंग सेक्टर में व्यवस्था के सरलीकरण और प्रक्रियाओं को आसान करने का सिलसिला लगातार जारी है। देखा जाए तो यह एक तरह से नेशन बिल्डिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर में हमें और सुधार व सरलीकरण देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में माइनिंग सेक्टर में व्यवस्था के सरलीकरण और प्रक्रियाओं को आसान करने का सिलसिला लगातार जारी है। देखा जाए तो यह एक तरह से नेशन बिल्डिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर में हमें और सुधार व सरलीकरण देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में माइनिंग सेक्टर में व्यवस्था के सरलीकरण और प्रक्रियाओं को आसान करने का सिलसिला लगातार जारी है। देखा जाए तो यह एक तरह से नेशन बिल्डिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर में हमें और सुधार व सरलीकरण देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में माइनिंग सेक्टर में व्यवस्था के सरलीकरण और प्रक्रियाओं को आसान करने का सिलसिला लगातार जारी है। देखा जाए तो यह एक तरह से नेशन बिल्डिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर में हमें और सुधार व सरलीकरण देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में माइनिंग सेक्टर में व्यवस्था के सरलीकरण और प्रक्रियाओं को आसान करने का सिलसिला लगातार जारी है। देखा जाए तो यह एक तरह से नेशन बिल्डिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर में हमें और सुधार व सरलीकरण देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में माइनिंग सेक्टर में व्यवस्था के सरलीकरण और प्रक्रियाओं को आसान करने का सिलसिला लगातार जारी है। देखा जाए तो यह एक तरह से नेशन बिल्डिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर में हमें और सुधार व सरलीकरण देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में माइनिंग सेक्टर में व्यवस्था के सरलीकरण और प्रक्रियाओं को आसान करने का सिलसिला लगातार जारी है। देखा जाए तो यह एक तरह से नेशन बिल्डिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर में हमें और सुधार व सरलीकरण देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में माइनिंग सेक्टर में व्यवस्था के सरलीकरण और प्रक्रियाओं को आसान करने का सिलसिला लगातार जारी है। देखा जाए तो यह एक तरह से नेशन बिल्डिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर में हमें और सुधार व सरलीकरण देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में माइनिंग सेक्टर में व्यवस्था के सरलीकरण और प्रक्रियाओं को आसान करने का सिलसिला लगातार जारी है। देखा जाए तो यह एक तरह से नेशन बिल्डिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर में हमें और सुधार व सरलीकरण देखने को मिलेगा।

अवैध बजरी खनन के मुद्दे पर सरकार की तरफ से जवाब नहीं आया तो विपक्ष ने किया वाक आउट

शून्यकाल में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने स्थान प्रस्ताव के तहत अवैध बजरी खनन का मुद्दा उठाया

-विधानसभा संवाददाता-
जयपुर। विधानसभा में अवैध बजरी खनन के मुद्दे पर सरकार की तरफ से जवाब नहीं देने को लेकर विपक्ष कांग्रेस के सदस्यों ने बुधवार को सदन से बहिर्गमन किया। शून्यकाल में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने स्थान प्रस्ताव के तहत अवैध बजरी खनन का मुद्दा उठाते हुए इस पर सरकार से जवाब देने की मांग की लेकिन इस पर कोई जवाब नहीं आने पर एक बार सदन में शोर शराब एवं हंगामा हुआ और बाद में

कांग्रेस के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए। इससे पहले जूली ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में अवैध खनन को लेकर अपनी ही सरकार पर सवाल उठाए हैं और कई विधायकों ने इस मुद्दे को सदन में उठा चुके हैं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जूली ने हंगामे के बीच सरकार से जवाब देने की मांग की लेकिन जवाब नहीं आने पर कांग्रेस के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए।

सदस्य खड़े हो गए और दोनों तरफ से बोलने पर सदन में शोरशराबा और हंगामा हुआ। इस दौरान जूली ने आरोप लगाया कि इसी सरकार के मंत्री ने भी अवैध खनन को लेकर अपनी ही सरकार पर सवाल उठाए हैं और कई विधायकों ने इस मुद्दे को सदन में उठा चुके हैं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जूली ने हंगामे के बीच सरकार से जवाब देने की मांग की लेकिन जवाब नहीं आने पर कांग्रेस के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए।

बहिर्गमन के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पलटवार करते हुए कहा कि जिस पार्टी के शासन में खनन माफिया हावी थे, पुलिस रोज पिटती थी वे हम पर आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस को पहले अपने घर में झांकना चाहिए। उनके पास कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा, इसलिए वे बिना कारण हंगामा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही में कांग्रेस हमेशा विरोध ही करती है। बिना किसी आधार के सदन की कार्यवाही बाधित करना उनकी आदत बन गई है।

राजस्थान भू-जल प्राधिकरण विधेयक 2024 को फिर प्रवर समिति को भेजा

-विधानसभा संवाददाता-
जयपुर। विधानसभा में बुधवार को प्रवर समिति द्वारा प्रतिवेदित राजस्थान भू-जल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक-2024 को फिर प्रवर समिति को भेज दिया गया। विधेयक को दूसरी बार प्रवर समिति को भेजने से पहले इस पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल ने कहा कि इस विधेयक पर विधानसभा सदस्यों ने चर्चा की और अपने सुझाव दिए हैं। ऐसे प्राधिकरण का गठन केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण के रूप में पहले से हो चुका है और इसमें शॉर्ट पहले से ही लगी है। विधेयक यहाँ इसलिए लाया गया कि जो अनुमति केन्द्र से लेनी पड़ती थी अब इसके लागू होने पर यह अनुमति यहाँ ही मिल सकेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योग लगाने के समय जो अनुमति आदि की दिकत दूर करने के लिए इसे लाया गया। उन्होंने कहा कि इसमें व्यक्तिगत पानी के लिए कोई अनुमति की जरूरत नहीं है। प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल ने स्पष्ट करते हुए कहा कि पेयजल एवं कृषि भूजल उपयोग के लिए कोई अनुमति नहीं लेनी होगी। उन्होंने कहा कि नये बांध भी बनाये जायेंगे। जलवायु बदलती जा रही है और वर्ष 1984 में 25 प्रतिशत दोहन बढ़कर 150 प्रतिशत हो गया है। नदियां साल भर नहीं चलती हैं और केवल एक चम्बल नदी है जो लगातार चलती है बाकी वर्षों के बाद सब सूख जाती है। उन्होंने कहा कि इसमें विधेयक में कई प्रावधान किए जायेंगे ताकि लोगों को अनुमति के लिए ज्यादा चक्कर नहीं लगाना पड़े। सदस्यों ने अच्छे सुझाव दिए हैं और इस विधेयक को पुनः विचार के लिए प्रवर समिति के लिए रखते हैं। उन्होंने कहा कि अच्छा क्या हो सकता है वे सुझाव दे ताकि यह विधेयक जनता के हित में रहे। इससे पहले इस पर बोलते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि इस विधेयक में किसान और इंडस्ट्री के लिए कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि

ज्यादा राजस्थान में वर्षा होती है लेकिन पानी का संचय नहीं होता। संचय नहीं होने की वजह से हालात बिगड़ते हैं और यह विधेयक जनता के साथ खिलवाड़ करने वाला विधेयक है।

राज्यपाल ने किया सुनीता विलियम्स का अभिनंदन

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के 9 माह बाद अंतरिक्ष से वापस लौटने पर प्रसन्नता जताते हुए वंदन, अभिनंदन किया है। उन्होंने कहा कि सुनीता विलियम्स भारत ही नहीं सम्पूर्ण विश्व की गौरव है। वह नारी शक्ति को प्रतीक है। अंतरिक्ष में इतने दीर्घ समय तक अपने साहस, धैर्य, निर्भीकता से रहकर उन्होंने संपूर्ण जगत को गौरवान्वित किया है।

कांग्रेस राज में पनप रहे थे बजरी माफिया, भजनलाल सरकार ने पहुंचाए सलाखों के पीछे : गोदारा

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने प्रेसवार्ता कर कांग्रेस पार्टी की झूठ फैलाने की नीति को उजागर किया। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस राज में पनपे खनन माफिया राज की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा इन पर की गई प्रभावी कार्रवाई को बताया। मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता इन दिनों अवैध बजरी खनन को लेकर ना केवल सदन में बल्कि

प्रदेशभर में अभियान चलाकर झूठ फैला रहे हैं। जबकि प्रदेश में अवैध खनन और खनन माफियाओं को पनपाने का काम कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ने ही किया था। जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खनन माफियाओं पर लगाम लगाने के उद्देश्य से तत्कालीन कैबिनेट में अतिरिक्त खरीद और कांग्रेस की तुलना में कई गुणा अधिक मुकदमें दर्ज किए, अवैध माल वाहन जब्त किए और अवैध बजरी सीज की। बगुर विधायक कैलाश वर्मा ने

कांग्रेस राज में पनपे जंगलराज को मीडिया के सामने रखते हुए बताया कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत के राज में ना तो उनका गृह जिला सुरक्षित था ना ही राजधानी। राजधानी में एक बुजुर्ग को बजरी माफियाओं ने कुचलकर मार दिया, वहीं रिंगरोड क्षेत्र में अवैध बजरी खनन की दर्जनों शिकायतें मिली, लेकिन गहलोत ने कोई कार्रवाई नहीं की। इतना ही नहीं, गहलोत राज में सांगोद से तत्कालीन विधायक भरत सिंह ने गहलोत को

पत्र लिखा था कि आपका खनिज मंत्री प्रदेश का सबसे बड़ा माफिया है, खनन माफिया पर नियंत्रण करना है तो उसे बर्खास्त करें। कोटा क्षेत्र में तो हाईवे पर खाना रे खाया थाया ने खाना के बोर्ड भी लग गए थे। इससे बौखलाए गहलोत ने मुख्यमंत्री रहते हुए कहा कि अवैध खनन नहीं रुक रहा, मुझे वीसी करनी पड़ रही है। इतना ही नहीं, विधायक ने मुंडन करवाकर यहाँ तक कह दिया था कि गहलोत का ई मान मर चुका है।

अधिकारियों को नहीं मिलेगा एक से अधिक खरीद केन्द्र का चार्ज : दक

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार की भावना है कि किसानों को उनकी उपज का पूरा दाम मिले। उन्होंने कहा कि अप्रैल माह से शुरू की जा रही सरसों-चना खरीद की सभी तैयारियां इस प्रकार की जाएं कि किसानों को असुविधा का सामना नहीं करना पड़े और उन्हें अच्छा महसूस हो। सहकारिता मंत्री बुधवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से सरसों-चना खरीद की पूर्व तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हैण्डलिंग और ट्रांसपोर्ट के टेंडर के प्रावधानों में शिथिलता इसलिए दी गई है ताकि प्रक्रिया में अच्छे लोग शामिल हों और किसानों को अपनी उपज बेचान के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। दक ने कहा कि यदि लगातार किसी टेकेदार की शिकायत मिलती है तो उसे डिबार करने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने अधिकारियों को टेंडर फेल होने की स्थिति में दूसरा विकल्प तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभारी अधिकारी पूरे समय खरीद केन्द्र पर मौजूद रहे और उसकी पूरी जिम्मेदारी निर्धारित हो, इसके लिए एक अधिकारी को एक से अधिक खरीद केन्द्र का चार्ज नहीं दिया जाएगा। दक ने निर्देश दिए कि उप रजिस्ट्रार खरीद केन्द्रों का जायजा लेकर वहां टेंडर, छाया, पानी आदि की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। साथ ही, टेकेदार के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि उसके पास खरीद के स्थिति में रजिस्ट्रेशन की संख्या के अनुरूप अतिरिक्त खरीद केन्द्र खोले जाएं। उन्होंने कहा कि खरीद का लक्ष्य पूरा हो, इसके पूरे मनोयोग से प्रयास किए

तुलना में समर्थन मूल्य की दरें आकर्षक हैं लिहाजा खरीद केन्द्रों पर बड़ी मात्रा में सरसों-चना बिक्री के लिए आएंगे। ऐसी स्थिति में रजिस्ट्रेशन की संख्या के अनुरूप अतिरिक्त खरीद केन्द्र खोले जाएं। उन्होंने कहा कि खरीद का लक्ष्य पूरा हो, इसके पूरे मनोयोग से प्रयास किए

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने सरसों-चना खरीद की पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल भी मौजूद थीं।

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने सरसों-चना खरीद की पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल भी मौजूद थीं।

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने सरसों-चना खरीद की पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल भी मौजूद थीं।

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने सरसों-चना खरीद की पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल भी मौजूद थीं।

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने सरसों-चना खरीद की पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल भी मौजूद थीं।